Hindi Murli Quiz 08-02-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) आज की मुरली के अनुसार सभी सही वाक्यों का चयन करें ---

A. .जब से ब्राह्मण जन्म हुआ तब से बाप द्वारा टाइटिल्स की लम्बी माला मिली है ।
B. कमजोर बुद्धि के ऊपर माया का वार नहीं हो सकता अर्थात् बुद्धि परवश नहीं हो सकती ।
C. खुराक को न खाने से बुद्धि कमजोर और फिर परवश हो जाती ।
D. रोज अमृतवेले एक टाइटिल को स्मृति लाओ और मनन करते रहो तो बुद्धि शक्तिशाली रहेगी ।
E. भक्ति में सुमिरण शक्ति है और ज्ञान में स्मृति की शक्ति है ।
F. मनन शक्ति ही दिव्यबुद्धि की खुराक है ।

Q.2) जो बाप की स्मृति वह बच्चों की स्मृति, जो बाप के गुण वह बच्चों के गुण, जो बाप का कर्तव्य वही बच्चे का । इसको कहा जाता है ----------। जो भी सकल्प वा कर्म करो तो पहले चेक करो कि बाप समान है । अगर बाप समान है तो सहजयोगी की स्टेज का अनुभव होगा । मेहनत नहीं लगेगी ।
[निम्नलिखित विकल्पों में से सबसे सटीक उत्तर चयन कर रिक्त स्थान भरें]

A. फालो-फादर
B. फरमानवरदार
C. बाप-समान
D. आज्ञाकारी

Q.3) वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ------

	Choice		Match
A	कोई भी परिस्थिति में बाप को सामने लाने से,	1	आप सदा कमलपुष्प के समान बाप की छत्रछाया में न्यारे और प्यारे रहेंगे ।
B	चाहे कितने भी देश के हालात नाजुक हो लेकिन,	2	परन्तु कोई भी शरीरधारी का साथ लेने मे समय लग जाता है ।
C	बाप सेवाधारी बन करके आते हैं,	3	स्वस्थिति के आधार से परिवर्तन हो जायेंगे ।
D	बाप को याद किया और सेकण्ड में साथ का अनुभव किया,	4	क्योकि याद द्वारा ही अनुभवी का अधिकार प्राप्त होता है ।
E	याद में रहने वाले बच्चों को बाप सदा रेसपान्ड देते हैं,	5	तो छत्रछाया के रूप में बच्चों की सदा सेवा करते हैं ।
F	सब सबजेक्ट मे मार्क्स लेनी हैं,	6	अगर एक भी कम रह गई तो पास विद आनद नहीं होंगे ।

Q.4) वरदान एवं स्लोगन पर आधारित इस मैचिंग की एक्सरसाइज को बहुत ध्यान से हल करें -

	Choice		Match
A	बापदादा का दिलतख्त इतना प्योर है,	1	वहाँ निर्विघ्न सफलता है ही ।
B	पहले शुद्ध संकल्प के व्रत द्वारा,	2	जो इस तख्त पर सदा प्योर आत्माये ही बैठ सकती हैं ।
C	शुद्ध वा दृढ़ संकल्प के व्रत का प्रत्यक्षफल है ही,	3	वो तख्तनशीन के बजाए गिरती कला मे नीचे आ जाते हैं ।
D	जिनके सकल्प मे भी अपवित्रता आ जाती है,	4	अपनी वृत्ति का परिवर्तन करो ।
E	जहाँ सर्वशक्तियाँ साथ हैं,	5	सदाकाल के लिए बापदादा का दिलतख्त ।

Q.5) ऐसा वरदानी जन्म, प्राप्तियां करने के बजाए मेहनत मे ही चला जाए तो ऐसा जन्म फिर कब मिलेगा ! मेहनत करने का मूल कारण है न चाहते हुए भी परवश हो जाते क्योकि माया भी जानी जाननहार रूप में आती है । वह भी जानती है कि इन ब्राह्मण आत्माओं का मुख्य आधार बुद्धि योग है - दिव्यबुद्धि द्वारा ही बाप से मिलन मना सकते तो माया भी पहले-पहले बुद्धि पर ही वार करती है । माया का विशेष बाण व्यर्थ संकल्पो के रूप मे होता है । वह इस बाण द्वारा दिव्यबुद्धि को कमजोर और परवश बना देती है ।

A. True
B. False

Q.6) **बापदादा ने देखा कि हर बच्चा अपने-अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तीव्रगति से लगे हुए है । सबकी एक ही इच्छा है कि फास्ट जावें फर्स्ट आवें फिर भी एक बाप के बच्चे दो प्रकार के क्यों। लक्ष्य एक है, लगन भी एक से ही है, साथ भी एक का ही है फिर भी ----**
[इस विषय पर तैय्यार की गयी यह मैचिंग एक्सरसाइज ध्यान से पूरी करें]

	Choice		Match
A	कोई महावीर है,	1	कोई बहुत मेहनत अनुभव करते हैं।
B	कोई सहजयोगी हैं ,	2	कोई सदा साथी बनाने के प्रयत्न मे रहते ।
C	कोई सर्व प्राप्ति स्वरूप हैं,	3	कोई माया के विघ्नों से युद्ध करने मे लगे हुए हैं ।
D	कोई मायाजीत हैं,	4	कोई सर्व प्राप्ति करने मे खूब लगे हुए हैं ।
E	कोई के मन का आवाज है जो पाना था वो पा लिया,	5	कोई पुरुषार्थी योगी हैं।
F	कोई सदा साथ का अनुभव करते ,	6	कोई का आवाज है अभी पा रहे हैं।

Q.7) **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं -----**

	Choice		Match
A	सारे कल्प में संगमयुग ही बहारी मौसम है,	1	तो कितने लकी हो गये !
B	डायरेक्ट बाप आप फूलों को अपने स्नेह का पानी दे रहे है,	2	उनके सम्बन्ध, संस्कार, स्वभाव सब बेहद मे होंगे।
C	जो विश्व पर राज्य करने वाले होंगे,	3	सारा अटेंशन बेहद की सेवा में रहना ।
D	हद निमित्तमात्र हो,	4	जिसमे हरेक आत्मा रूपी पुष्प खिला हुआ रहता है ।

Q.8) **बापदादा बोले कि परवश होने के बजाए मायाजीत बनने का सहज साधन है -- मनन शक्ति को बढ़ाओ । बापदादा ने आजकी मुरली में मनन शक्ति को बढ़ाने की विभिन्न विधियों को बड़े सरल रूप में समझाया है, जिससे माया सदा के लिए नमस्कार करेगी ।**
[उन सभी विधियों का चयन करें]

A. ☐ अपने अनेक टाइटिल्स अर्थात् स्वरूप स्मृति में रखो ।
B. ☐ अनेक प्रकार के खुशी के एवं नशे की पॉइंट्स स्मृति मे रखो।
C. ☐ अनेक गुणों के श्रंगार को स्मृति मे रखो ।
D. ☐ रचता बाप के परिचय की पॉइंट्स और रचना के विस्तार की पॉइंट्स स्मृति मे रखो ।
E. ☐ याद द्वारा अनेक प्रकार के अनुभव और प्राप्तियों की पॉइंट्स को स्मृति में रखो।

Q.9) **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ----**

	Choice		Match
A	जैसे देवियों को बहुत सजाते हैं,	1	वही विश्व के तख्त के अधिकारी बनते हैं।
B	गरीब भी और भोलेनाथ के भोले बच्चे भी,	2	दोनों ही बाप को अति प्रिय है।
C	हर संकल्प बा कर्म बाप समान करने से,	3	निरन्तर सहजयोगी की स्टेज का अनुभव होगा।
D	जो संगमयुग के श्रेष्ठ स्थान-बाप के दिलतख्त पर बैठते हैं,	4	ऐसे स्वय को सजाना है ।
E	दिल मे वही समाये जाते हैं,	5	जो समान होते हैं।

Q.10) **सबसे ज्यादा फैशनबुल संगमयुगी ब्राह्मण हैं । जैसा समय वैसा स्वरूप, यह स्वरूप भी आपकी ड्रेस है । जैसी स्मृति वैसी वृत्ति वैसी दृष्टि और वैसी स्थिति अर्थात् स्वरूप । जैसे आजकल का फैशन है ना जैसा श्रंगार, वस्त्र भी वैसे, तिलक भी वैसे, तो ऑखो का श्रंगार भी वैसा करेंगे । तो सबसे फैशनबुल आप ब्राह्मण हो । ऐसी स्मृति वृत्ति और दृष्टि बनाओ । स्मृति है तिलक और दृष्टि है ऑखो का श्रृंगार और वृत्ति है मेकप करना । वृत्ति से जैसा परिवर्तन चाहो वैसे कर सकते हो । तो सदैव रूहानी सजी सजाई मूर्त हो विश्व को परिवर्तन करने वाले!**

A. ○ False
B. ○ True